Daily Gospel Reflections in Hindi

12 October 2019

योहन 4 : 46 - 54

Jesus heals an official's son

आज का सुसमाचार पदाधिकारी के पुत्र के चंगाई के बारे में दर्शाता हैं। कुछ लोग शतपति का नौकर के चंगाई, और पदाधिकारी का पुत्र के चंगाई की तुलना करते हैं। कुछ लोग कहते है, कि यह एक और संस्करण हैं। लेकिन दोनों घटनाओं में समानता बहुत कम हैं, और मतभेद ज्यादा हैं।

1.शतपति गैर यहुदी था, लेकिन पदाधिकारी यहुदी प्रतीत होता हैं।

2. शतपति का नौकर लकवा से पीडित था, लेकिन पदाधिकारी का पुत्र बुखार से पीडित था।

3.शतपति कफरनाहुम में था, लेकिन पदाधिकारी काना में रहता था।

4. शतपति का विश्वास को देखते हुए ईसा मसिह उसकी प्रशंसा करते हैं, पदाधिकारी और अन्य लोगों के कम विश्वास के कारण से ईसा उन्हें डॉटते हैं।

5. शतपति ने ईसा को घर आने के लिए नहीं कहा, लेकिन ; आप एक ही शब्द कह दीजिए और मेरा नौकर चंगा हो जायेगा। पदाधिकारी प्रभु ईसा मसीह को उनके घर पर चलने के लिए निवेदन करता है।

यह दोंनों घटनायें अलग–अलग है लेंकिन उनका मूल संदेश विश्वास की जरूरत हैं। हमारें साथ रहने वाले या परिवार में से कोई–भी बीमार पड़ जाते है, तो हम लोग परेशान होते हैं। इसी तरह पदाधिकारी भी बहुत परेशान नजर आता है। उस समय वह तुरन्त प्रभु के चरणों में आता हैं। प्रभु में विश्वास करने से उनके पुत्र को चंगाई प्राप्त होती है। हमारे व्यकितगत जीवन के परेशानियों के क्षणों पर विश्वास के साथ प्रभु के चरणों में पहुॅचने के लियें प्रयत्न करें।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019